2015

M. A.

1st Semester Examination

HINDI

PAPER—HIN-102

Full Marks : 40

Time : 2 Hours

The figures in the right hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 12×2

क) "विद्यापति के काव्य में भक्ति और शृंगार का समन्वय है"—इस कथन की सार्थकता पर विचार कीजिए ।

ख) रीतिकाल के कवियों में घनानंद का स्थान निर्धारित करते हुए उनकी विरह-भावना पर प्रकाश डालिए ।

ग) "सूरदास का वात्सल्य-भाव समूचे विश्व के साहित्य में निराला है,"—इस कथन की पुष्टि करते हुए अपना मत स्थापित कीजिए।

घ) कबीर समाज सुधारक पहले और कवि बाद में — सिद्ध कीजिए।

2. किन्हीं दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :— 8×2

क) लरिकाई को प्रेम कहौ अलि कैसे करकै छूटत ।
कहा कहौं ब्रजनाथ चरित अब अंतरगति यों लूटत ।
चंचल चाल मनोहर चितवन वह मुसुकानिमन्द धुनि गाबति ।
नटवर भेष नन्दनन्दन को वह बिनोद गृह वन ते आवति ।
चरन कमल की शपथ करति हौं यह संदेश मोहिं विष लागत ?
सूरदास मौहि निमिष न बिसरत मोहन सूरत सोवत जागत ॥

ख) म्हाराँ री गिरधर गोपाल दूसराँ णाँ धूयाँ ।
दूसराँ णां कूयां साधाँ सकल लोक जूयां ।
भाया छाड़याँ बन्धा छाँड़याँ सगाँ सूयाँ ।
साधां ढिंग बैठ-बैठ लोक-लाज खूँया ।
भगत देख्याँ राजी हयाँ, जगत देख्यां रुयां ।
अँसुवाँ जल सींच-सींच प्रेम बेल बूयाँ ।
दध मथ घृत काढ़ लयाँ डार दया घूयां ।
राणा विषरो प्यालों भेज्यां पीय मगण हूयां ।
मीरा री लगण लग्याँ होणा ही जो हूयाँ ।

ग) पहिले अपनाय सुजान सनेह सों, क्यौ फिरि तेह कै तौरिये जू ।
निरधार अधार दै धार मझार दई गहि बाँह बोरियै जू ।
थनआनन्द आपने चातिक को गुन बांधि लै मोह न छोरियै जू ।
रस प्याय कै जाय, बढ़ाय कै आस, बिसास मैं यौं बिस घोरि जू ॥

घ) झगरा एक नवेरो राम, जें तुम्ह अपने जन सूँ काँम ।
ब्रह्म बड़ा कि जिनिरू उपाया, बेद बड़ा कति जहाँ थै आया ।
यह मन बड़ा कि जहाँ मन मानै, राम बड़ा कि रामहि जान
कहै कबीर हूँ खरा उदास, तीरथ बड़े कि हरि के दास ॥

—o—